ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या-७८
दिनांक- मंगलवार, १८ अक्टूबर, २०२२

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय बेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 31.7 एवं 18.5 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 94 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 51 प्रतिशत, हवा की औसत गति 2.1 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 3.6 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 9.5 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 24.3 एवं दोपहर में 33.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(19–23 अक्टूबर, 2022)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 19–23 अक्टूबर, 2022 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान साफ तथा इस अवधि में शुष्क रहने का अनुमान है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 31–33 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 18–20 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 65 से 75 प्रतिशत तथा दोपहर में 40 से 50 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 05–10 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- शुष्क मौसम की संभावना को देखते हुए किसान अगात धान एवं मक्का की तैयार फसलों की कटाई एवं झराई करें। कटाई के बाद धान की फसल को २-३ दिनों तक खेत में सूखने के लिए रहने दें एवं उसके बाद धान की झड़ाई करें। खड़ी फसलों में कीट–व्याधि का निरीक्षण करते रहें।
- रबी फसलों (मक्का, चना, मटर, राजमा एवं मेथी) की बुआई पूर्व खेत की साफ-सफाई एवं तैयारी करे। खेत के आसपास के मेड़, नालियॉ एवं रास्तो में उगे जंगलो की सफाई करें। गोबर की सड़ी खाद १५०-२०० क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से पूरे खेत में अच्छी प्रकार विखेरकर एवं जुताई कर मिला दें। शरदकालीन गन्ना की रोपाई करें।
- सरसों एवं राई की बुआई करें। सरसों के लिए उन्नत प्रभेद ६६-१९७-३, राजेन्द्र सरसों-१ तथा स्वर्णा एवं राई के लिए किस्में वरुणा, पूसा वोल्ड, क्रान्ति एवं पूसा महक इस क्षेत्र के लिए अनुसंशित हैं। बीज दर ५ किलोंग्राम प्रति हेक्टेयर तथा बुआई ३०X१० से०मी० पर कतार में करें। बुआई के समय खेत की जुताई में ३०-४० किलोग्राम नेत्रजन, ४० किलोग्राम स्फुर, ४० किलोग्राम पोटास एवं ३० से ४० किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे।
- लहसुन की बुआई छोटी-छोटी क्यारियों में करें। क्यारियों का आकार जिसमें चौराई १ से २ मीटर तथा लम्बाई अपनेनुसार ३ से ५ मीटर रखें। प्रत्येक २ क्यारियों के बीच जल निकास के लिए नाली अवश्य बनावें। गोदावरी (सेलेक्सन-१), श्वेता (सेलेक्सन-१०), एग्रीफाउंड डार्करेड (जी-११), एग्रीफाउंड व्हाईट (जी-४१), एग्रीफाउंड पार्वती (जी-३१३), जमुना सफेद-२ (जी०-५०), जमुना सफेद-३ (जी०-२८२), जमुना सफेद-४ (जी०-३२३) एवं आर०ए०यू० (जी-५) लहसुन की अनुसंशित किस्में है। बीज दर ३००-५०० किलोग्राम जावा प्रति हेक्टेयर तथा लगाने की दुरी १५X१० से०मी० रखें। खेत की जुताई में प्रति हेक्टेयर २०० से २५० क्विंटल कम्पोस्ट, ६० किलोग्राम नेत्रजन, ८० किलोग्राम फॉसफोरस, ८० किलोग्राम पोटास एवं २०-४० किलोग्राम सल्फर का प्रयोग करें।
- धनियाँ की बुआई करें। राजेन्द्र स्वाती, पंत हरितिमा, कुमारगंज सेलेक्शन, हिसार आंनद धनियाँ की अनुसंशित किस्में है। पंक्ति में लगाने पर बीज दर १८-२० किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा लगाने की दुरी ३०X२० से०मी० रखें। बीज को २.५ ग्राम बेविस्टीन प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। अच्छे जमाव के लिए बीज को दररकर दो भागो में विभाजित कर बुआई करें। खेत की जुताई में १०० से १५० क्विंटल सड़ी गोबर की खाद, ३० किलोग्राम नेत्रजन, ४० किलोग्राम स्फुर एवं ३० किलोग्राम पोटास प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे।
- मसुर के मल्लिका(के०-७५), अरुण (पी०एल० ७७-१२), बी०आर०-२५ के०एल०एस०- २१८, एच०यू०एल०-५७, पी०एल०-५ एवं डब्लू०बी०एल० ७७ किस्मो की बुआई १५ अक्टुबर के बाद कर सकते है। बुआई के समय खेत की जुताई में २० किलोग्राम नेत्रजन, ४५ किलोग्राम फॉसफोरस, २० किलोग्राम पोटास एवं २० किलोग्राम सल्फर का व्यवहार करें। बुआई के २-३ दिन पूर्व कार्बेन्डाजीम फ्रुंदनाशक दवा का १.० ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से शोधित करें। तत्पश्चात कीटनाशी दवा क्लोरपाईरीफॉस २० ई.सी. का ८ मि.ली. प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर (५ पैकेट प्रति हेक्टेयर) से उपचारित कर बुआई करें। छोटे दाने की प्रजाति के लिए बीज दर ३०-३५ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर एवं बड़े दाने के लिए ४०-४५ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर एवं बुआई की दुरी पंक्ति से पंक्ति ३० से०मी० रखें।
- सूर्यमुखी की बुआई करे। बुआई के समय खेत की जुताई में ३०-४० किलोग्राम नेत्रजन, ८०-६० किलोग्राम फॉस्फोरस एवं ४० किलोग्राम पोटास का व्यवहार करे। उत्तर बिहार के लिए सूर्यमूखी की उन्नत संकुल प्रभेद मोरडेन, सूर्या, सी०ओ०-१ एवं पैराडेविक तथा संकर प्रभेद के लिए बी०एस०एच०-१, के०बी०एस०एच०-१, के०बी०एस०एच०-४४, एम०एस०एफ०एच०-१, एम०एस०एफ०एच०-८ एवं एम०एस०एफ०एच०-१७ अनुसंशित है। संकर किस्मों के लिए बीज दर ५ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा संकुल किस्मों के लिए ८ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई से पहले प्रति किलोग्राम बीज को २ ग्राम थीरम या कैप्टाफ दवा से उपचारित कर बुआई करे।

आज का अधिकतम तापमानः 31.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.5 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 18.3 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 3.7 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी